जिस्मानी रिश्तों की चाह-50

“चार दिन से आपी के हमारे कमरे में ना आने से मैं नाराज था. आपी मुझे मनाने लगी लेकिन मैं रूठा रहा. तो आपी ने में गेट के पास ही अपनी सलवार नीचे सरका दी ! …”

Story By: zooza ji (zoozaji)
Posted: बुधवार, अगस्त 3rd, 2016
Categories: भाई बहन
Online version: जिस्मानी रिश्तों की चाह-50

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जिस्मानी रिश्तों की चाह-50

सम्पादक जूजा

आपी हमारे कमरे में नहीं आई

तीन दिन से आपी हमारे कमरे में नहीं आई थी। चौथे दिन भी जब वक्त बीत गया तो मैं आपी को देखने निकला। आपी अपने कमरे में अम्मी और हनी के साथ थी। आपी ने मुझे देख लिया और आपी बाहर आई, मैंने वासना से उनको छुआ तो वो कुछ गुस्सा हुई और मुझे अपने कमरे में जाने को कहा।
आपी ने मेरी तरफ एक फ्लाइंग किस की.. लेकिन मैं बुरा सा मुँह बना कर घूम कर सीढ़ियों की तरफ चल दिया।

मैंने पहली सीढ़ी पर क़दम रखा ही था कि मुझे पीछे दरवाज़ा बंद होने की आवाज़ आई.. आपी कुछ देर तक वहीं रुकी.. मुझे देखती रही थीं। लेकिन मैंने पलट कर नहीं देखा.. तो वो अन्दर चली गईं।

मैं भी अपने कमरे में वापस आया तो फरहान सो चुका था.. मुझे आपी पर बहुत गुस्सा आ रहा था और मैं उसी गुस्से और बेबसी की ही हालत में लेटा और फिर पता नहीं कब मुझे भी नींद ने अपने आगोश में ले लिया।

सुबह फरहान ने उठाया तो कॉलेज जाने का दिल नहीं चाह रहा था.. इसलिए मैंने फरहान को मना किया और फिर सो गया।

दूसरी बार मेरी आँख खुली तो 10 बज रहे थे। मैं नहा धो कर फ्रेश हुआ और नीचे आया तो

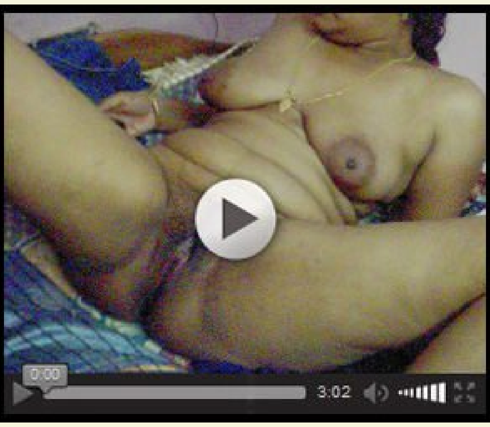

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अम्मी टीवी लाऊँज में बैठी टीवी देखते हुए साथ-साथ मटर भी छीलती जा रही थीं।

मैंने अम्मी को सलाम किया और डाइनिंग टेबल पर बैठा ही था कि आपी भी मेरी आवाज़ सुन कर अपने कमरे से निकल आईं और उसी वक़्त अम्मी ने भी मटर के दाने निकालते हुए आवाज़ लगाई- रुहीई..! बाहर आओ बेटा.. भाई को नाश्ता दे दो..

‘जी अम्मी आ गई हूँ.. देती हूँ अभी..’ आपी ने अम्मी को जवाब देकर किचन की तरफ जाते हो मुझे देखा।
मैंने भी आपी को देखा और गुस्से में मुँह बना कर नज़र फेर लीं।

इस एक नज़र ने ही मुझे आपी में आज एक खास लेकिन बहुत प्यारी तब्दीली दिखा दी थी.. आपी ने हमेशा की तरह अपने सिर पर स्कार्फ बाँधा हुआ था और बड़ी सी चादर ने उनके बदन के नशेबोफ़राज़ को हमारी नजरों से छुपा रखा था..
लेकिन खास तब्दीली थी कि आपी की बड़ी-बड़ी खूबसूरत आँखों में झिलमिलता काजल.. आपी ने आज आँखों में काजल लगा रखा था और उससे आपी की खूबसूरत आँखें मज़ीद हसीन और बड़ी नज़र आ रही थीं।

आपी नाश्ते की ट्रे लेकर आईं और टेबल पर मेरे सामने रखते हुए आहिस्ता- आवाज़ में बोलीं- अल्ल्लाआअ मेरी जान.. नाराज़ है मुझसे..
मैंने आपी को कोई जवाब नहीं दिया।

उन्होंने ट्रे से निकाल कर ऑमलेट परांठा मेरे सामने रखा और मेरे गाल पर चुटकी काट कर अपने दाँतों को भींचते हुए बोलीं- गुस्से में लगता बड़ा प्यारा है.. मेरा सोहना भाई।

मैंने बुरा सा मुँह बना कर आपी के हाथ को झटका.. लेकिन मुँह से कुछ ना बोला और ना ही नज़र उठा कर उनको देखा।

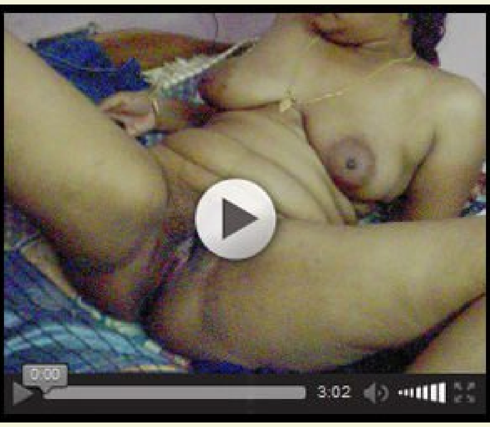

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुझे यह खौफ भी था कि अगर मैंने नज़र उठाई तो आपी के खूबसूरत गुलाबी गाल और उनकी हसीन आँखें.. जो काजल की वजह से मज़ीद सितम ढा रही हैं.. मुझे ऐसे क़ैद कर लेंगी कि मैं अपनी नाराज़गी कायम रखना तो दूर की बात.. दुनिया ओ माफ़िया ही से बेखबर हो जाऊँगा।

मैंने चुपचाप नज़र झुकाए हुए ही नाश्ता करना शुरू कर दिया।

आपी कुछ देर वहाँ ही खड़ी रहीं.. फिर अम्मी के पास जाकर मटर छीलने में उनकी मदद करने लगीं।

मैंने नाश्ता खत्म किया ही था कि आपी ने पौधों को पानी देने वाली बाल्टी उठाई और अम्मी को कुछ कहते हुए बाहर गैराज में रखे गमलों को पानी लगाने के लिए चली गईं।

मैं टीवी लाऊँज के दरवाज़े पर पहुँचा ही था कि अम्मी की आवाज़ आई- सगीर मोटर चला दो.. ये लड़की पौधों को पानी लगाते-लगाते पूरी टंकी ही खाली कर देगी।

टीवी लाऊँज के दरवाज़े से निकल कर राईट साइड पर हमारे घर का छोटा सा लॉन है.. और लेफ्ट साइड पर गाड़ी खड़ी करने के लिए गैरज है। गैरज के अन्दर वाले सिरे पर ही मोटर लगी हुई है और गैरज के बाहर वाले सिरे पर तो ज़ाहिर है हमारे घर का मेन गेट ही है।

मैं मोटर का बटन ऑन करके मुड़ा ही था कि आपी ने मेरा हाथ पकड़ कर झटका दिया और अपने दोनों हाथ अपनी कमर पर रख कर बोलीं- ये क्या ड्रामा है सगीर.. बात क्यों नहीं कर रहे हो मुझसे ?

मैंने अभी भी आपी की तरफ नहीं देखा और नज़र झुकाए हुए ही नाराज़ अंदाज़ में कहा- बस नहीं करनी मैंने बात.. मेरी मर्ज़ी..

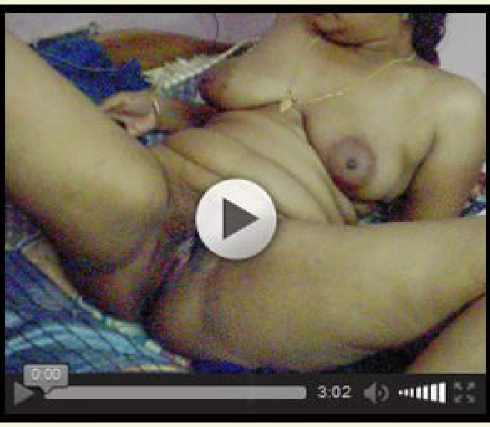

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आपी ने मेरी ठोड़ी को अपने हाथ से ऊपर उठाया और मुहब्बत भरे अंदाज़ में कहा- सगीर.. मैं भी तो मजबूर हूँ ना.. बस अब नाराज़गी खत्म करो.. चलो शाबाश मेरी तरफ देखो.. मेरा सोहना भाई.. नज़र उठाओ अपनी।

मैंने नज़र नहीं उठाई लेकिन आपी के हाथ को भी नहीं झटका- आपी कितने दिन हो गए हैं.. आप नहीं आई हो.. आप का अपना दिल चाहता है तो आती हो.. मेरी ख़ुशी के लिए तो नहीं ना..

‘मुझे पता है.. आज 5 दिन हो गए हैं मैंने अपने सोहने भाई को खुश नहीं किया.. मैं क्या करूँ मेरी जान.. मौका ही नहीं मिल पाया है.. लेकिन मैं आज रात लाज़मी कोशिश करूँगी.. ओके..’
आपी ने ये कहा और मेरी ठोड़ी से हाथ हटा लिया और मेरे चेहरे पर अपनी नजरें गड़ा दीं।

मैंने आपी की बात सुन कर भी अपना अंदाज़ नहीं बदला और हल्का सा गुस्सा दिखाते हुए बोला- अभी भी ये ही कह रही हो कि कोशिश करूँगी.. यानि कि आज रात को भी आने का प्रोग्राम नहीं है ?

‘यार तुम्हें पता ही है कि फरहान और हनी के फाइनल एग्जाम होने वाले हैं.. हनी रात में 3-4 बजे तक पढ़ाई करती रहती है.. मैं उसके सामने कैसे आऊँ ? तुम भी तो एक बार ज़िद पकड़ लेते हो.. तो कोई बात समझते ही नहीं हो।
अब आपी के लहजे में भी झुंझलाहट पैदा हो गई थी।

थोड़ी देर तक ऐसे ही आपी मेरे चेहरे पर नज़र जमाए रहीं और मेरी तरफ से कोई जवाब ना सुन कर.. कुछ फ़ैसला करके बोलीं- ओके ठीक है.. ऐसी बात ही तो ये लो..

ये कहते हुए आपी ने अपनी सलवार में अपने दोनों अंगूठों को फँसाया और एक ही झटके

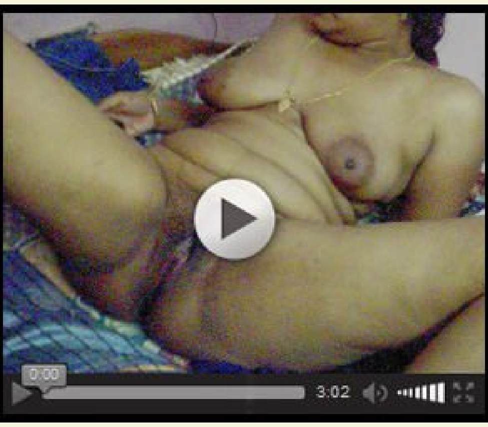

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

में अपने पाँव तक पहुँचा दिया और अपनी चादर और क़मीज़ को इकठ्ठा करके अपने पेट तक उठा लिया और मेरी तरफ पीठ करते हुए बोलीं- चलो अभी और इसी वक़्त चोदो मुझे.. मैं कसम खाती हूँ कि तुम्हें नहीं रोकूँगी.. आओ चोदो मुझे..

अपनी बहन का ये अंदाज़ देख कर मैं दंग ही रह गया और हकीक़तन डर से मेरी गाण्ड ही फट गई।
मैं खुद भी ऐसी हरकतें करता ही था.. लेकिन जब बंदा खुद कर रहा हो.. तो समझ आता है.. जेहन मुतमइन होता है कि कोई मसला हुआ तो मैं संभाल ही लूँगा.. लेकिन आपी की ये हरकत मेरे वहमोगुमान में भी नहीं थी।

हम से चंद क़दम के फ़ासले पर ही टीवी लाऊँज का दरवाज़ा था और अन्दर अम्मी बैठी थीं और सामने घर का मेन गेट था। अगर कोई भी घर में दाखिल होता तो पहली नज़र में ही हम दोनों सामने नज़र आते।

अब हालत कुछ ऐसी थी कि आपी ने मेरी तरफ पुश्त की हुई थी और थोड़ी सी झुकी खड़ी थीं.. उनके ख़ूबसूरत गुलाबी.. चिकने कूल्हे मेरी नजरों के सामने थे।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

झुकने से आपी के दोनों कूल्हों के दरमियान का गैप थोड़ा बढ़ गया था और आपी की गाण्ड का डार्क ब्राउन सुराख भी झलक दिखला रहा था।
उससे थोड़े ही नीचे आपी की ख़ूबसूरत चूत के लब नज़र आ रहे थे.. जो थोड़े उभर गए थे और आपस में ऐसे मिले हुए थे कि चूत की बारीक सी लकीर बन गई थी।

आपी की साफ और शफ़्फ़ गुलाबी रानें अपनी मुकम्मल गोलाई के साथ कहर बरपा रही थीं।

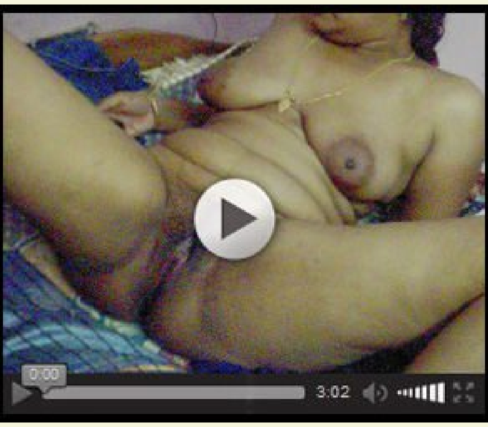

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुझे हैरत का शदीद झटका लगा था। मैं गुमसुम सा ही खड़ा था और मेरी नज़र आपी की नंगी रानों और कूल्हों पर ही थी कि आपी की आवाज़ मुझे होश की दुनिया में वापस ले गई।

‘चलो ना.. रुक क्यों गए हो.. आओ डालो अपना लण्ड मेरी चूत में..’

तेजी से मैं आगे बढ़ा और आपी के कंधों को थाम कर ऊपर उठाने की कोशिश करते हुए बोला- पागल हो गई हो आपी.. क्या कर रही हो.. उठो ऊपर.. सीधी खड़ी हो.. और सलवार ऊपर करो अपनी..

आपी ने अपने कंधों को झटका दे कर मेरे हाथों से अलग किया और वैसे ही झुकरझुके अपने हाथ से मेरे लण्ड को पैंट के ऊपर से ही मज़बूती से पकड़ कर दबाया और ज़िद्दी लहजे में ही कहा- नहीं.. मैं नहीं होती सीधी.. तुम इसे बाहर निकालो और अभी इसी वक़्त मेरी चूत में डाल कर ठंडा कर लो अपने आपको.. अपनी ख्वाहिश पूरी करो आओ.. तुम ज़िद्दी हो.. तो मैं भी तुम्हारी ही बहन हूँ।

यह बोलते हो आपी की आवाज़ भर्रा गई थी और उनकी आँखों में नमी भी आ गई थी।

मैं नीचे झुका और आपी की सलवार को पकड़ कर ऊपर करने के बाद आपी के हाथ से उनकी क़मीज़ और चादर भी छुड़वा दी.. जो उन्होंने अपने एक हाथ से अपने पेट पर पकड़ रखी थी। इसके बाद मैंने मज़बूती से आपी के कंधों को पकड़ा और उनको सीधा खड़ा करके अपने सीने से लगा लिया।

आपी ने अपना चेहरा मेरे सीने से लगा दिया और रोते हो हिचकियाँ लेकर बोलीं- सगीर.. मुझसे नाराज़.. नहीं हुआ करो.. मैं मर जाऊँगी.. अच्छा।

मैंने अपना एक हाथ आपी की कमर पर रखा और कमर सहलाते हुए दूसरे हाथ से उनके

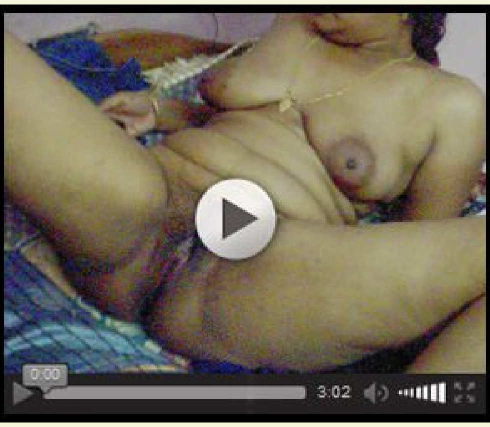

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सिर को अपने सीने से दबा कर बोला- अच्छा बस ना आपी.. रोया मत करो ना यार.. गुस्सा कर लो.. मार लो मुझे.. लेकिन रोया मत करो.. मेरा दिल हिल जाता है।

आप अपने ख्यालात कहानी के अंत में अवश्य लिखें।

वाकिया मुसलसल जारी है।

avzooza@gmail.com

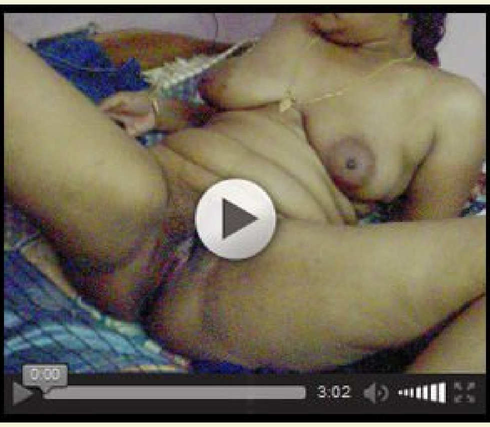

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Bangla Choti Kahini

URL: www.banglachotikahinii.com **Average traffic per day:** GA sessions **Site language:** Bangla, Bengali **Site type:** Story **Target country:** India Bangla choti golpo for Bangla choti lovers.

Savita Bhabhi Movie

URL: www.savitabhabhimovie.com **Site language:** English (movie - English, Hindi) **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated erotic movie.

Tamil Scandals

URL: www.tamilscandals.com **Average traffic per day:** 48 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Mixed **Target country:** India Daily updated hot and fun packed videos, sexy pictures and sex stories of South Indian beauties in Tamil language.

Antarvasna Hindi Stories

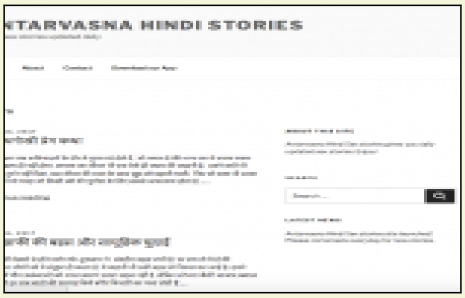

URL: www.antarvasnahindistories.com **Average traffic per day:** New site **Site language:** Hindi **Site type:** Story **Target country:** India Antarvasna Hindi Sex stories gives you daily updated sex stories.

Malayalam Sex Stories

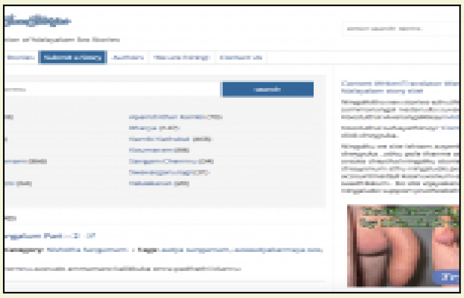

URL: www.malayalamsexstories.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Story **Target country:** India The best collection of Malayalam sex stories.

Pinay Sex Stories

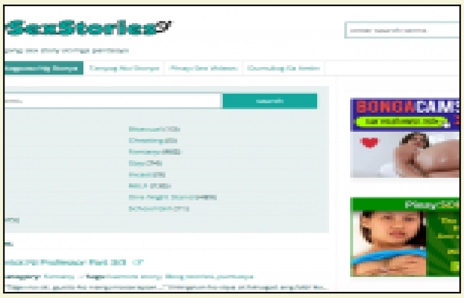

URL: www.pinaysexstories.com **Average traffic per day:** 18 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Story **Target country:** Philippines Everyday there is a new Filipino sex story and fantasy to read.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire